# महत्व-संकल्पशक्ति का

वह अत्यंत ही मंदबुद्धि छात्र था । आचार्य, गुरुजन अक्सर डंडे द्वारा जमकर उसकी पिटाई करते थे । मगर न जाने क्यों सारे प्रयासों के बावजूद भी वह कभी याद नहीं कर पाता था । एक बार डंडे खाने के लिए उसने दाहिनी हथेली फैलायी तो आचार्य ने यकायक अपने हाथ रोक लिया । उनकी आंखों में विस्मय को देखकर छात्र ने पूछा- आचार्य जी, क्यों रुक गए ? बेटा- अनजाने में नाहक की तेरी पिटाई करता रहा । तेरे हाथ में तो विद्या रेखा ही नहीं है । इतने दिनों से ाारीरिक मार सहता रहा, लेकिन आचार्य का यह कथन उसकी आत्मा पर प्रहार कर गया । उस ने पूछा आचार्य जी कहां होती है विद्या की रेखा ?

आचार्य जी से विद्या की रेखा जानकर उठ गया और अगले ही क्षण लहुलुहान दाहिनी हथेली लिए लौटा गुरुजी, मैंने अपनी हथेली में विद्या की रेखा चीर कर बना ली है । अब आप मुझे पढ़ाइए । मैं विद्यार्जन करूंगा । आचार्य जी उनकी तेजस्वी मुख जो विद्यार्जन के संकल्प से दैदीप्यमान था देखते ही रह गए ।

संसार ने उस बालक को पाणिनि नाम से जाना । पाणिनि ाास्त्री से बढ़ कर व्याकरण ाास्त्री आज तक संसार में कोई नहीं हुआ है ।

याद रखिए व्यक्ति को सफलता अपनी वजह से मिलती है समय या परिस्थितियों से नहीं । आपको स्वतंत्र इच्छा अथवा संकल्पशक्ति का वरदान प्राप्त है । मनोवैज्ञानिक अब्राहम मास्लोवा की मान्यता थी कि हर व्यक्ति में अपने भीतर की ाक्ति या क्षमता को साकार करने की प्रवृत्ति होती है । इसी के कारण हम विश्व पर कभी-कभी असंभव प्रायः जो कार्य संपन्न होते देखते हैं वे संकल्प ाक्ति की ही देन होती है अपनी संकल्पशक्ति के बलबूते ही एकलव्य अपने सीधे हाथ का अंगूठा काट कर तथा पाषण रूपी प्रतिमा रूप गुरु से प्रेरणा लेकर अर्जुन के समक्ष धनुर्धर बन गया था । अपनी पत्नी रत्नावली के प्रेम में पागल राम बोला नामक युवक अपनी संकल्पशक्ति के द्वारा रामचरित मानस का अमर रचियता गोस्वामी तुलसीदास बन गया ।

अगर आप जीवन में सफल होना चाहते हैं, तो दृढ़संकल्प द्वारा ही सफलता का वरण कर सकते हैं । हम प्रत्येक दिन के जीवन को एक पड़ाव के रूप में नए सिरे से अच्छे ढंग से ुरू कर सकते हैं । याद रखिए हमारी संकल्पशक्ति ही हमारी उपलब्धियों की सीमा निर्धारित करती है । आप अपना जो मूल्य आंकते हैं सफलता उसी का साकार रूप है ।

श्रीमद्भागवद् गीता का कथन प्रमाण है- जहां संकल्प स्वरूप श्री कृष्ण है और अर्जुन रूप तदुतसारिणी किया उपस्थित है वहां श्री विजय और विभूति निवास करती है ।

श्रीमती वर्षा अजीत वरवंडकर
मनोवैज्ञानिक सलाहकार
एफ.एस.मेनेजमेंट ई.प्रा.लि.
मारुती विहार ,मोहबा बाजार
जी.ई.रोड़, रायपुर छ.ग.
**Email :** consult@fsindia.in

aglakadam